ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.indianrailways.gov.in

वर्ष – 17 | अंक – 66 | अप्रैल–जून 2013

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. दीक्षा समारोह
2. रेल सप्ताह का आयोजन
3. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
4. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार
5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 119वीं बैठक
6. पुरस्कार वितरण समारोह
7. रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक का सम्मान
8. आतंकवाद विरोध दिवस
9. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
11. स्वागत / बिदाई
12. अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति
13. सृजन

1. दीक्षा समारोह



दीक्षा समारोह में परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए निदेशक, पुणे
श्री सी.पी. तायल

इरिसेन में दिनांक 31 मई, 2013 को आई.आर.एस.ई.बैच–2010 के प्रशिक्षण की समाप्ति के अवसर पर दीक्षा समारोह आयोजित किया गया। पिछले कुछ वर्षों से दीक्षा समारोह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य रेल के इन युवा इंजीनियरों में चुनौती से भरे काम के लिए स्फूर्ति का संचार करना रहा है। निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ प्राध्यापक पुल.1 श्री विनीत गुप्ता ने निदेशक, संकाय अध्यक्ष, संकाय सदस्यों एवं परिवीक्षार्थियों का स्वागत किया।

आई.आर.एस.ई.बैच–2010 के सभी परिवीक्षार्थियों को निदेशक महोदय ने स्मृति–चिन्ह एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए। सभी परिवीक्षाथियों के सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर निदेशक, इरिसेन ने प्रसन्नता व्यक्त की और उन्हें बधाई दी। अपने संबोधन में निदेशक महोदय ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि यह बहुत खुशी का अवसर है



दीक्षा समारोह में परिवीक्षार्थियों को स्मृति चिन्ह देते हुए
श्री सी.पी. तायल, निदेशक, पुणे

क्योंकि आप रेल सेवा में विधिवत प्रवेश कर रहे हैं जिसमें आप सभी सहायक इंजीनियर के पद पर पदस्थ होनेवाले हैं और अधिक जिम्मेदारियों का वहन करने वाले हैं।

आपने जिस प्रशिक्षण संस्थान से अपना प्रशिक्षण पूरा किया है भारत में इसका एक विशेष महत्व है। विद्यार्थी के रुप में प्रशिक्षण प्राप्त करना और फील्ड में जाकर कार्य करना दोनों में काफी अंतर है। विद्यार्थी जीवन में आपको अपने आपको सिद्ध करना होता है जबकि कार्यक्षेत्रों में आपको अधीनस्थों से काम लेना होता है और उनके काम के प्रति उत्तरदायी होना पड़ता है। आप देश के समूह 'क' की सेवा के अधिकारी हैं और आपका उत्तरदायित्व भी उसी के अनुसार बढ़ जाता है। आपके अधीन बहुत से लोग काम करते हैं। रेलपथ निरीक्षक जो आपकी तरह ही फील्ड में काम करते हैं। उनका पूरा काम अनुभव पर आधारित है आपको उनके अनुभव का लाभ उठाना है।

कार्य में समय पाबंदी आवश्यक है समय का ध्यान रखते हुए आपको काम पूरा करना है। रेलवे में आपको बहुत ईमानदार एवं सेवा के प्रति समर्पित लोग मिलेंगे जिनके कार्य का लाभ आपको मिलेगा। सहायक इंजीनियर के पद से प्रोमोशन के बाद आप

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवादक

फील्ड से दूर होते जाएंगे। अत: यह मौका है आप इसका फायदा उठाएं। आपका आचार एवं व्यवहार ही आपको सम्मान दिलाएगा। आपको हर कदम अपने आप को अद्यतन करते रहना होगा। आपको निरीक्षण करना होगा और देखकर लोगों को काम के बारे में बताना होगा। अपने कार्य में आनेवाली समस्याओं को लिख कर रखें। वहां किस प्रकार का सुधार होना चाहिए इन सबकी ओर आपका ध्यान जाना चाहिए। एक लक्ष्य बनाकर काम करें। उन कार्यों को उजागर करें जिन पर ध्यान दिया जाना है। आपकी कार्यक्षमता आपको आपके क्षेत्र में निपुणता दिलाएगी। अत्यावश्यक एवं आवश्यक कार्यों के बीच अंतर पहचानना होगा।

अधीनस्थों के साथ कार्य करते समय आपका सामना रेल यूनियनों के पदाधिकारियों के साथ होगा उनके साथ आपका व्यवहार भी शिष्ट होना चाहिए तभी उनकी ओर से भी आपको शिष्टता का आभास होगा। आप अपनी व्यवहार कुशलता से उनसे निपटे। अंतरविभागीय समन्वय होना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपकी नौकरी में यह एक अनिवार्य पहलू है। आपको अन्य विभागों के साथ तालमेल बना कर उनके साथ समानांतर चलना होगा। आपको रेल की परिसंपत्तियों पर भी ध्यान रखना होगा। इसके साथ–साथ आपको अपना एवं परिवार के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान रखना होगा। आप एवं आपका परिवार दोनों स्वस्थ होंगे तभी आप काम अच्छी तरह कर सकेंगे।



दीक्षा समारोह में मंच पर आसीन श्री सी.पी. तायल, निदेशक पुणे एवं श्री एन.सी.शारदा, डीन, इरिसेन आभार प्रदर्शन करते हुए श्री विनीत गुप्ता, वरि.प्राध्या.,पुल–।

आपको अपने पहनावे का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। आपकी वेशभूषा अधिकारी के समान होनी चाहिए। ट्रॉली पर जाते समय सेफ्टी का विशेष ध्यान रखें। अपने कार्य में प्रामाणिकता दिखाएं। अधीनस्थ निरीक्षक तनाव मुक्त वातावरण में काम करे इसका ख्याल रखें। आपके संबंध ही आपको सफलता दिलाएंगे। आपके विचार दैनंदिन बदलते रहेंगे और आपके अंदर नए–नए विचार आते रहेंगे। आप उस पर ध्यान दें या उसे नकारें ये आप और आपके वातावरण पर निर्भर करेगा। मानव जीवन सीमाओं से बंधा होता है। अपने लिए समय निकालें आप खूब खेलें। खेलने से शारीरिक एवं दिमागी कसरत होगा जो आपको स्थायित्व प्रदान करेगा और आपके अंदर आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। एक युवा अधिकारी के रुप में आप अपना आचार देखें। आपने सदाचार सीख लिया तो आपका जीवन बन जाएगा। अहं न रखें। यह निरंतर नुकसान पहुंचाता है। सोच को 'पावर' कहा जाता है यदि सोच सही दिशा में हो तो वह शक्ति देगा और यदि गलत दिशा में हो तो शक्ति का ह्रास कर देगा। अंत में सभी का धन्यवाद करते हुए निदेशक ने अपना संबोधन समाप्त किया। दीक्षा समारोह का संचालन श्री विनीत गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक – पुल ने किया।

2. रेल सप्ताह का आयोजन



रेल सप्ताह के अवसर पर मंच पर आसीन श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन एवं संकाय अध्यक्ष श्री एन.सी.शारदा

इरिसेन में दिनांक 16 अप्रैल, 2013 को रेल सप्ताह के अवसर पर ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें इरिसेन के सभी संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन ने संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को देखते हुए पुरस्कृत किया।

रेल सप्ताह के अवसर पर निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम सभी उपस्थित सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। रेलवे की ऐतिहासिक एवं प्राचीन धरोहर की अविस्मरणीय घटनाओं पर आपने अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि रेल संगठन द्वारा रेलवे में किए गए अभिनव प्रयोगों और तकनीकी उन्नतियों से कितनी तरक्की हुई है और रेलवे के कॉरपोरेट उद्देश्यों को कितनी सफलता मिली है। अपनी चर्चा में इरिसेन की



रेल सप्ताह के अवसर पर पुरस्कार वितरण

समर्पित सेवाओं के संकल्प को दोहराते हुए संस्थान की उपलब्धियों पर आपने प्रसन्नता व्यक्त की। रेल सप्ताह के अवसर पर प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नए पुराने गीतों के साथ–साथ प्रशिक्षु अधिकारी द्वारा रविंद्र संगीत भी प्रस्तुत किया गया। रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति से सभागृह में नई उर्जा का संचार हुआ।



रेल सप्ताह के अवसर पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए प्रशिक्षु अधिकारी

3. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार



इरिसेन में आयोजित मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

दिनांक 25 एवं 26 अप्रैल, 2013 को इरिसेन में मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों से 19 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में का.निदे.सि.इंजी.(प्ला.) द्वारा नीतिगत मामलों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान वर्ष 2012 में आयोजित मु.रे.इंजी.सेमिनार की टिप्पणियां एवं रेलपथ मानक समिति की मदों पर समीक्षा की गई। सेमिनार में कार्यसूची की मद रेल, स्लीपर्स एवं फासनिंग पर विचार–विमर्श के अलावा निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए :

I श्री विपुल कुमार, कार्यकारी निदेशक/ट्रैक II, आरडीएसओ द्वारा ''इफेक्टिवनेस ऑफ फासनिंग सिस्टम''.
II श्री ए.के.यादव, मुख्य रेलपथ इंजीनियर, मध्य रेल द्वारा ''सिंगल लाईन वर्किंग इन मुंबई डिवीजन''.
III श्री मनोज अरोरा, वरि.प्राध्या.रेलपथ–1 द्वारा ''कम्पेरिजन ऑफ परफॉरमेन्स ऑफ डिफरेंट लाइनिंग मेथड एंड युटिलिटी ऑफ डीटीएस''.
IV AIMIL Ltd. द्वारा ''प्री टेम्पिंग मेजरमेंट बाय टिम्बल जिडो ट्राली''.
V मुख्य रेलपथ इंजीनियर, पूर्व तटीय रेल द्वारा ''रीस्टोरेशन ऑफ ट्रैक ऐट एक्सीडेंट साइट विथ प्री–फेब्रिकेटेड पेनल बाय क्रेन''.
VI मुख्य रेलपथ इंजीनियर,पूर्वोत्तर सीमांत रेल द्वारा ''एलिफेंट मोरटेलिटी,एफर्ट्स मेड बाय NFR टू कर्ब इट''.
VII सारन्या इलेक्ट्रानिक्स प्रायवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा ''गैंग वर्क साइट रिमोट कन्ट्रोल्ड हूटर''.
VIII मुख्य रेलपथ इंजीनियर, पूर्व तटीय रेल द्वारा ''विंच ऑपरेटेड होरिजॉन्टली मूविंग इंटरलॉक्ड बूम फॉर लेवल क्रॉसिंग''.
IX कार्यकारी निदेशक/ट्रैक–I, आरडीएसओ द्वारा ''आरडीएसओ में अद्यतन नीतिगत निर्णय, विकास इत्यादि''।

4. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार



इरिसेन में आयोजित मुख्य पुल इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 16 एवं 17 मई, 2013 को मुख्य पुल इंजीनियरों के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों से 19 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का उदघाटन निदेशक, इरिसेन के स्वागत भाषण से हुआ। कार्य.निदे.सि.इंजी./B & S/I एवं II, रेलवे बोर्ड ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। मुख्य पुल इंजी. के सेमिनार की पिछली सिफारिशों पर RDSO द्वारा की गई टिप्पणी पर सेमिनार में समीक्षा की गई। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए : श्री संजीव मित्तल, मुख्य पुल इंजी./द.प.रेल द्वारा ''कंन्सट्रक्शन ऑफ सबवे यूजिंग टेम्परेरी गर्डर'', मेसर्स टू ज्वाईंट मशीन, पुणे द्वारा ''स्टील सेविंग इन कंन्सट्रक्शन बाय यूजिंग कपलर'' इत्यादि।

5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 119वीं बैठक



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 119वीं बैठक का दृश्य

श्री सी.पी. तायल, निदेशक/इरिसेन की अध्यक्षता में दिनांक 30 अप्रैल, 2013 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 119वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि हिंदी में काम करने के लिए निर्देश देने की जरूरत नहीं होनी चाहिए, प्रत्येक को अपना कार्य स्वेच्छा से करना चाहिए।

आपने संस्थान में कार्यरत वरिष्ठ प्राध्यापक श्री मनोज अरोरा को हिंदी के क्षेत्र में किए गए सराहनीय योगदान हेतु रेल मंत्री राजभाषा पदक से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के उपाध्यक्ष, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल श्री शरद कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में बताया कि संस्थान में अधिकाशत: कार्य पहले से ही हिंदी में किए जा रहे हैं। हिंदी में किए जा रहे कार्य में संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय है। आपने प्रत्येक माह में साहित्यकारों की जयंती पर समीक्षा लेखन प्रस्तुत करने हेतु सभी सदस्यों से अनुरोध किया। राजभाषा के क्षेत्र में उतरोत्तर सहयोग की अपेक्षा करते हुए उप मुख्य राजभाषा अधिकारी ने सभी का धन्यवाद किया।

6. इरिसेन में पुरस्कार वितरण समारोह



श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन से पुरस्कार ग्रहण करते श्री विजय कुमारन, नि.स.।

इरिसेन में दिनांक 07 जून, 2013 को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर सदस्य इंजीनियरिंग द्वारा इरिसेन को दिए गए पुरस्कार की राशि इरिसेन कर्मचारियों के बीच वितरित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर निदेशक, इरिसेन ने सभी कर्मचारियों को बधाई दी एवं वर्ष, 2013 में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी को सम्मानित किया और उनके सेवानिवृत्त जीवन में सुख–शांति की कामना की। इस अवसर पर अपने संबोधन में निदेशक महोदय ने कर्मचारियों से कहा कि आपके द्वारा किए गए कार्य ही आपको पुरस्कार एवं सम्मान दिलाते हैं। भविष्य में इरिसेन की और अधिक चुनौतियां होंगी। दो जगहों पर दो संस्थानों में इरिसेन बंटा होगा और जिम्मेदारियां बढ़ जाएंगी। निदेशक, इरिसेन ने कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं।

7. रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक सम्मान



श्री विनय मित्तल, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड से प्रमाण–पत्र एवं पदक ग्रहण करते हुए श्री मनोज अरोरा, व.प्रा.ट्रैक–।

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय द्वारा विभिन्न पुरस्कार योजनाएं लागू की गई हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ाने में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान देने के लिए रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक' से सम्मानित करने का प्रावधान है।

संस्थान के श्री मनोज अरोरा, वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ–। को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता को देखते हुए रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011 के लिए रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक' से सम्मानित किया गया। श्री अरोरा को यह सम्मान 26 मार्च, 2013 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, श्री विनय मित्तल के कर कमलों द्वारा दिया गया। संस्थान की ओर से श्री अरोरा को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

8. आतंकवाद विरोध दिवस

दिनांक 21 मई, 2013 को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आतंकवाद विरोध दिवस मनाया जाता है। इसी परंपरा के अनुसार संस्थान में भी आतंकवाद विरोध दिवस मनाया गया। इरिसेन के संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की याद में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए आतंकवाद के विरोध में शपथ ली।

9. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	13709	आईआरएएस के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	01/07/13	05/07/13
2	13603	प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (रेलपथ)	01/07/13	12/07/13
3	13710	आईआरपीएस के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	08/07/13	12/07/13
4	13412	टीएमएस के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	08/07/13	12/07/13
5	13413	रेलवे व्हील इंटरेक्शन एवं डिरेलमेंट पर विशेष पाठ्यक्रम	15/07/13	19/07/13
6	13207	वरिष्ठ व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम	15/07/13	06/09/13
7	13103	समूह ख अधिकारियों के लिए समेकित पाठ्यक्रम	15/07/13	26/09/13
8	13306	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार	18/07/13	19/07/13
9	13203	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	22/07/13	30/08/13
10	13307	मुख्य इंजीनियर/टी.पी का सेमिनार	25/07/13	26/07/13
11	13414	पीएससी निर्माण पर विशेष पाठ्यक्रम	29/07/13	02/08/13

10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 13101

प्रथम



एस.एच.एम नक्वी
स.मं.इंजी., भुसावल

द्वितीय



मनोज कुमार
स.का.इंजी.समस्तीपुर

11. स्वागत/बिदाई

ए. स्वागत



श्री गणेश श्री निवासन दिनांक 21 जून, 2013 को संस्थान में समूह ख' में पदोन्नत हुए हैं और निजी सचिव, ग्रेड–I का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप इरिसेन में समूह ग' में निजी सचिव, ग्रेड –II के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापक पुल–I के पास कार्यरत थे। संस्थान आपकी दैनंदिन उन्नति हेतु शुभकामनाएँ देता है और इस तरक्की पर आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री प्रवीण द. कोतकर ने दिनांक 03 मई, 2013 को संस्थान में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेलपथ) के रूप में पदभार ग्रहण किया है। इसके पूर्व आपने दिनांक 08 अक्टूबर, 1992 को मुंबई सेंट्रल, पश्चिम रेल पर जूनियर इंजीनियर (रेलपथ) के रूप में रेल सेवा प्रारंभ की। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्रीमती अनुराधा ज. उरसल ने दिनांक 08 मई, 2013 को संस्थान में कनिष्ठ अनुवादक के रुप में पदभार ग्रहण किया है। दिनांक 4 नवंबर, 1994 से आपने रेल सेवा प्रारंभ की है। संस्थान में आने से पूर्व आप दमरे, लालागुडा, सिकंदराबाद वर्कशॉप में कार्यरत थीं। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री दीपक मधुकर नेवे ने दिनांक 02 अप्रैल, 2013 को संस्थान में कनिष्ठ तकनीकी सहायक के रुप में पदभार ग्रहण किया है। दिनांक 9 जून,1997 से आपने रेल सेवा प्रारंभ की है। संस्थान में आने से पूर्व आप डीजल लोकोशेड, घोरपडी, पुणे में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

बी. बिदाई



श्री कालूराम जगताप, कार्यालय अधीक्षक, इरिसेन ने दिनांक 30 अप्रैल, 2013 को रेल सेवा से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ती ली। वर्ष 1986 से आपने खलासी के रूप में रेल सेवा प्रारंभ की। आपकी सेवा नियमित रही है। स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण आपने स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का निर्णय लिया। आपने 27 वर्ष रेल सेवा की है। आपकी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है एवं आपको अनंत शुभकामनाएं देता है।



श्री संभाजी यशवंत निगडे, तकनीशियन, इरिसेन दिनांक 31 मई, 2013 को रेल सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं। आपने 1968 से कैजुअल लेबर के रुप में रेल सेवा में प्रारंभ की। 1981 से आपकी सेवा नियमित हो गई और आप ड्रायवर के रूप में अप्रैल 1989 से निर्माण संगठन में कार्यरत थे। उसी पद पर आप इरिसेन में आए। आपने संस्थान में 24 वर्ष की रेल सेवा की है। दिए गए कार्य को आपने बड़ी तल्लीनता से निभाते थे। आपकी सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है एवं आपको ढेर सारी शुभकामनाएं देता है।

12. अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति

1. संस्थान में कार्यरत दिवंगत श्री विजय स. जाधव, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (प्रयोगशाला) के निधन के पश्चात उनकी पत्नी श्रीमती लक्ष्मी वि. जाधव की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर खलासी के रूप में की गई है। श्रीमती लक्ष्मी ने दिनांक 08 अप्रैल, 2013 को रेल सेवा ज्वाइन कर ली है।
2. संस्थान में कार्यरत दिवंगत श्री परमेश्वर खांडेकर, वरिष्ठ खलासी के निधन के पश्चात उनकी पत्नी श्रीमती सुमन परमेश्वर खांडेकर की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर खलासी के रुप में की गई है। श्रीमती सुमन ने दिनांक 08 अप्रैल, 2013 को रेल सेवा ज्वाइन कर ली है।

13. सृजन

वेदों के कुछ मंत्र/सूक्त बड़े ही कौतुहल पूर्ण हैं। इनका भाव आज के समय में कुछ ज्यादा ही प्रासंगिक है। उदाहरणार्थ ऋग्वेद के कुछ सूत्रों में समाजवाद का बीज मौजूद है। समाजवाद की परिकल्पना जितनी गहराई से निम्न सूत्रों में मिलती है ऐसा शायद कहीं और मिलना मुश्किल है। निम्न सूत्र ऋग्वेद के अंतिम सूत्रों में से उद्धृत हैं। इनमें सामाजिक भ्रातृभाव की अदभुत अभिव्यक्ति है। भक्त भगवान से प्रार्थना करता है कि मानवमात्र भ्रातृभाव से प्रेम के बंधन में बंधा हो, सबका विचार तथा उद्देश्य एक हो। सब एक साथ मिलकर मन वचन एवं कर्म से समाज के उच्चतम लक्ष्यों को प्राप्त करें।

सं समित् युवसे वृषन् अग्ने विश्वानि अर्य आ।
इड: पदे समिध्यसे स: न: वसूनि आ भर ।।
सं गच्छध्वम् सं वदध्वम् सं व मनासि जानताम।
देवा: भागं यथा पूर्वे संजानाना: उपासते।।
समान: मंत्र: समिति:, समानी, समानं मन: सह चित्तम एषाम।
समानं मंत्रम् अभिमंत्रये व: समानेन व: हविषा जुहोमि ।।
समानी व: आकृति:, समाना हृदयानि व:।
समानं अस्तु व: मन: यथा व: सु सह असति ।।

सूत्रों का भावार्थ इस प्रकार है :

हे प्रभो, आप सभी श्रेष्ठ युवाओं को आशीर्वाद दें कि हम सभी संसारवासी मिलकर रहें। आपकी कृपा से हममें तेज उत्पन्न हो तथा हम सब हर प्रकार से समृद्ध हों। हम सभी लोग सामाजिक सुख समृद्धि को प्राप्त करने के लिए एक साथ आगे बढ़ें, एक साथ सोचें और बोलें और मिलकर काम करें। अर्थात् समाज के प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार समाज के उत्थान के लिए अपना पूर्ण योगदान इस प्रकार दे कि सभी लोगों का सम्मिलित प्रयास पूरे समाज की उन्नति में सहायक हो। भिन्न–भिन्न व्यक्तियों का सोचना–विचारना और कार्य करना अलग–अलग या भटकावपूर्ण न होकर एक ही दिशा में केंद्रित हो। यहाँ पर ऋग्वेद यह भी स्पष्ट कर देता है कि एक समान चिंतन का यह अर्थ नहीं है कि कोई दूसरी सोच या विचार न हो। तात्पर्य यह है कि भिन्न–भिन्न विचार एक ही लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रयासरत हों और उन सबमें जो सर्वोत्तम है, उसको आपस में सोच समझकर एक फैसले के तहत आगे बढ़ाया जाए। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि किसी एक व्यक्ति के विचार को महत्व न देकर समाज के सभी व्यक्तियों के विचारों में सर्वश्रेष्ठ विचार को महत्व दिया जाए। यहां यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि समाज के सभी लोगों के अलग–अलग विचारों पर मंत्रणा कर श्रेष्ठ विचारों का समन्वय कर निश्चित लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए। विचार इंधन का कार्य करे और समाज में उर्जा का संचार करे, ठीक उसी प्रकार जैसे कि इंधन से अग्नि प्रज्ज्वलित होती है। आखिरी मंत्र में यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का संकल्प भी समान होना चाहिए। अर्थात् एक ही लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक व्यक्ति के कथनी और करनी में भेद नहीं होना चाहिए। इन सभी मंत्रों को यदि समग्र रूप से देखा जाए तो यह बात साफ हो जाती है कि श्रेष्ठ समाज और उसके उत्थान में प्रत्येक व्यक्ति का समान रूप से योगदान होता है। सामाजिक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक व्यक्ति की वाणी, विचार, कर्म और उद्देश्य एक दिशा में केंद्रित होना चाहिए।

..... इति

शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक,पुल

जिस प्रकार सोने को काटकर, तपाकर, घिसकर और पीटकर उसकी पहचान की जाती है, उसी प्रकार त्याग, शील, गुण और कर्म – इन चार प्रकारों से मानव की भी परीक्षा की जाती है। ..... चाणक्य

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित